# शिष्यता के अनिवार्य तत्व

मसीही जीवन के लिए अनिवार्य तत्व
अगुवों की मार्गदर्शिका

# मसीही जीवन व सांसारिक दृष्टिकोण

## अध्याय 13 : प्रभु यीशु मसीह का पुनः आगमन

## परिचय

"मसीही जीवन व सांसारिक दृष्टिकोण" नामक यह अध्याय शिष्यों के लिए एक "अनिवार्य मॉड्यूल श्रृंखला" है। अध्यायों की यह श्रृंखला मसीही जीवन के लिए आवश्यक चुनावों व व्यवहारों का मूल्यांकन करती है। परमेश्वर के वचनों के अनुसार जीवन व्यतीत करने का अर्थ है कि हम जिन बातों का चुनाव दैनिक जीवन में करते हैं, उनका प्रभाव हमारे विश्वास पर पड़ता है। इसका अर्थ प्रार्थना करना सीखना, परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुसार व्यवहार करना, तथा दूसरों की सेवा करना सीखना है। मसीहियत की व्यवहारिकता को समझने के लिये बहुत से महत्वपूर्ण अध्याय दिये गए हैं। इन सिद्धान्तों पर और अपने जीवन में इनका प्रभावशाली ढंग से उपयोग करने पर चर्चा करने के लिये कुछ समय अलग करें।

## अपेक्षित श्रोतागण

इस पाठ्यक्रम के लिये अपेक्षित श्रोतागण नये विश्वासी, जो लोग मसीहियत के बुनियादी सिद्धान्तों पर पुनः विचार करना चाहते हैं, तथा जो लोग मसीही आचरण व विश्वास की शिक्षा देने की इच्छा रखने वाले लोग हैं। इसके अलावा, मसीही विचारों में रूचि रखने वाले लोगों के लिए जो दैनिक जीवन और चुनावों के अनुकूल जीवन व्यतीत करते हैं, यह अध्याय महत्वपूर्ण होगा।

अगुवों की मार्गदर्शिका को अगुवे के रूप में आपकी तैयारी कराने में सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। इन अध्यायों की रूपरेखा को www.dehindi.org पर प्राप्त "शिष्यता के अनिवार्य तत्व की अन्य सामग्री" के साथ उपयोग किया जा सकता है।

---

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing

# मसीही जीवन व सांसारिक दृष्टिकोण

## अध्याय 14 : प्रभु यीशु मसीह का पुनः आगमन

**उद्देश्य**

इस अध्याय का उद्देश्य प्रभु यीशु मसीह के पुनः आगमन के महत्व को दर्शाना और प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करना है कि वे अपने विश्वास में स्थिर और उसके वचनों के आज्ञाकारी बन कर उसके आने की तैयारी करें।

**अगुवों की टिप्पणी**

यह अध्याय जैसा कि प्रभु यीशु मसीह ने पवित्रशास्त्र में दोबारा आने का वायदा किया है, उस वायदे की वास्तविकता को दर्शाता है। अंतिम दिनों में विभिन्न स्वर्गीय घटनाएं होंगी (उदहारण के लिए प्रभु यीशु मसीह विपत्ति के दिनों के आने से पहले या बाद मे आएंगे), लेकिन इन अध्यायों के उद्देश्यों अनुसार यह उचित है कि हम प्रभु यीशु मसीह के दोबारा आने के वायदे पर ध्यान दें। हमारा जीवन इस धरती पर किसी भी वक्त खत्म हो सकता है, और कोई नहीं जानता कब। होने दें कि यह संदेश परमेश्वर के वचन को प्रचार करने के लिए लोगों के अन्दर जोश जगाए और हर जन के अन्दर परमेश्वर के साथ जीवन जीने की अत्यावश्यकता का एहसास उत्पन्न हों। एक विश्वासी के लिए प्रभु यीशु मसीह के दोबारा आने के वायदे को समझना बहुत ज़रूरी हैं। यह हमारी सहायता करता है कि हम अपने ध्यान को परमेश्वर पर केन्द्रित करें, ना कि दुनियावी बातों पर। यह जानते हुए कि हमारे कामों का न्याय किया जाएगा और हम अपने कामों के लिए पुरस्कृत किए जाएंगे यह बात हमें प्रोत्साहित करेगी कि हम उसके लिए सर्वोत्तम कार्य करें और हर दिन कुछ बेहतर करने की कोशिश करें।

## परिचय

*निम्नलिखित दो या तीन प्रश्नों का चुनाव करे कि समूह में पूछ सकें।*

- आप कैसा महसूस करेंगे अगर प्रभु यीशु मसीह कल ही धरती पर आ जाए और जैसा सब जानते है कि जीवन का अन्त हो जाए?
- यीशु मसीह जल्द आने वाले हैं, यह जानना आज हमारे जीवन को किस प्रकार प्रेरित करता है?
- लोगों की प्रभु यीशु मसीह के पुनः आगमन के बारे में क्या भावनाएं होगी? (आशंका, डर, उत्साह, जिज्ञासा) : क्या आप को प्रभु यीशु मसीह के किसी भी समय दोबारा आने कि बात पर विश्वास करने में परेशानी होती है?
- आपके विचार से, कलीसिया में प्रभु यीशु मसीह के पुनः आगमन के लिए किस प्रकार तैयारी होनी चाहिए?
- प्रतिदिन कितना समय आप उन कामों को करने में व्यतीत करते हैं जिनका स्वर्गीय महत्व है? कौन से ऐसे काम हम कर सकते हैं जिनका स्वर्गीय महत्व है?

## अध्ययन

*निम्नलिखित बातों पर समूह को जानकारी दें।*

### सिखाएं

- **एक वायदा : प्रभु यीशु मसीह का पुनः आगमन!** प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान के बाद वे चेलों के देखते, स्वर्ग पर चढ़ गए। प्रेरितों के काम 1:10–11 बताता है कि दो फरिशते आए और चेलों को बताया

कि प्रभु यीशु मसीह जिस रीति से गए हैं उसी रीति से वापस आएंगे। उस समय से सारी कलीसियाएं आतुर होकर प्रभु यीशु मसीह के पुनः आगमन का इन्तज़ार कर रही हैं।

- **प्रभु यीशु मसीह के पुनः** आगमन का वर्णन लगभग नये नियम की हर किताब में है, जब यीशु मसीह पुनः आएंगे उनका शब्द सच्चाई की तरह प्रगट किया जायेगा और विश्वासी उसके साथ स्वर्ग में उठा लियें जाएंगे, यीशु मसीह अपने लोगों को इकट्ठा करेंगे। ताकि वे उसके साथ अनंतकाल तक रह सकें और अंत में न्याय का दिन आयेगा, सब कुछ नया होगा, एक नया स्वर्ग और नयी धरती।

- मसीह के पुनः आगमन के विषय मे निम्नलिखित आयतें पढ़े :
  - प्रेरितो के काम 1:10–11
  - मरकुस 13:26–27, 32
  - इब्रानियों 9:28
  - यूहन्ना 14:2–3
  - प्रेरितों के काम 3:20
  - 1 कुरिन्थियो 1:7
  - 2 थिस्सलुनिकियों 1:7
  - 1 थिस्सलुनिकियों 4:16–17
  - प्रकाशितवाक्य 19:11–16

**सहभागियों से पूछें :**

- यीशु मसीह के लौटने का वायदा किसने किया?
- मसीह क्यों लौटेंगे?
- मसीह कब लौटेंगे?
- आप क्या सोचते हैं मसीह का लौटना कैसा प्रतीत होगा ?

**शिक्षा**

- **तैयारी :** वास्तविकता यह है कि हम यीशु मसीह के पुनः आगमन का समय अज्ञात है। 1 थिस्सलुनिकियों 5:2 विश्वासियों को सचेत करता है कि मसीह का पुनः आगमन अक्स्मात होगा – जैसे चोर रात के समय (अज्ञात समय) आता है। वे लोग जो अंधकार में रहते हैं चोर के लिए सावधान नहीं होते और उनके द्वारा उजाड़ दिये जाते है, लेकिन वह जो ज्योति में रहते है, हमेशा तैयार रहते है और उद्धार की आशा रखते हैं।

  - मत्ती 25:1-13 रचित सुसमाचार में यीशु मसीह हमें उनके पुनः आगमन के विषय मे सचेत करते हैं। हर एक व्यक्ति जो कि उन पांच बुद्धिमान कुंवारियों के समान है, परमेश्वर को समर्पित है और उसके आने की प्रतिक्षा कर रहा है। वो उसके साथ होगा और उसे पुरस्कृत किया जायेगा।

  - हमे ध्यानपूर्वक मसीह के लौटने की प्रतीक्षा यह जानते हुए करनी चाहिए कि वह हमारे जीवनकाल में सम्भव है और नहीं भी। 1 यहून्ना 2:28 हमें कहता है, "अतः हे बालकों उसमे बने रहो कि जब वह प्रगट हो तो हमें हियाव हो। और हम उसके आने पर उसके सामने लज्जित ना हों।" अच्छे कामों का ध्यानपूर्वक करना, उसके नाम के पीछे हो लेना और सुसमाचार का प्रचार करना, यह सब इसमें शामिल है।

- **दो प्रकार के न्याय :** पवित्रशास्त्र हमें बताता है कि अन्त के समय में न्याय किया जायेगा। लोग जब न्याय के बारे में सोचते हैं उनमें मृत्यु की भावना आ जाती है, वे एक ऐसे न्यायधीश की कल्पना करने लगते हैं जो ख़ुशी से उनके किये गये पापों के लिए दण्ड तय करता है। यह वह भावना नहीं हैं जो

एक मसीही के मन में न्याय के प्रति होनी चाहिए। पवित्रशास्त्र हमें बताता है कि जब न्याय किया जायेगा, वह सदाचारियों के लिए खुशी का मौका होगा, लेकिन पापियों के लिए दहशत का दिन होगा। नीतिवचन 21:15

- पवित्रशास्त्र बाइबल बताता है कि जब प्रभु यीशु मसीह दोबारा धरती पर आएंगे तब दो प्रकार के न्याय होगें – विशाल श्वेत सिंहासन पर परमेश्वर का न्याय और परमेश्वर के न्याय सिहांसन का न्याय।
  - **विशाल श्वेत सिंहासन पर परमेश्वर का न्याय** उनके लिए है, जिन्होंने प्रभु यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत रक्षक के रूप में स्वीकार नहीं किया। प्रकाशितवाक्य 20:11–14 स्पष्ट रूप से हमें इस न्याय के विषय में बताता है। वे जिनके नाम जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे गए है उन्हें वो दण्ड दिया जाएगा जो अनन्त है जो कि परमेश्वर से अलगाव है।
  - **परमेश्वर के न्याय सिंहासन** का न्याय उन विश्वासियों के लिए जो मसीह के लहू में धुलकर पवित्र हो चुकें है। वह अपने पापों के लिए पहले ही क्षमा पा चुके हैं – मसीह ने उनके लिए मूल्य चुका दिया। वे उस आसन के सामने खड़े होंगे जिसे क्षमा/दया का आसन भी कहा जाता है उनका न्याय उनके कामों के आधार पर होगा जो उन्होंने पृथ्वी पर किये हैं (रोमियों 14:10–12, 2 कुरिन्थियो 5:10)।

❖ **हमें वही प्राप्त होता है जिसके हम लायक हैं :** हर एक विश्वासी परमेश्वर के सामने खड़ा होगा और उसका न्याय उसके पृथ्वी पर गुजारे गये समय के आधार पर होगा। एक विश्वासी के रूप में हमें उस अनन्त दण्ड़ से जो कि परमेश्वर से अलगाव है भयभीत नहीं होना चाहिए बल्कि हमारी इच्छा परमेश्वर को खुश करने की होनी चाहिए क्योंकि हम परमेश्वर से प्रेम करते हैं। हमें इस न्याय से भयभीत ना होकर परमेश्वर के लिए अपनी ओर से उत्तम से उत्तम करने का प्रयास करना चाहिए।

- 2 कुरिन्थियों 5:9–10 बताता है कि "इस कारण हमारे मन की उमंग यह है कि चाहे साथ रहें, चाहे अलग रहें, पर हम उसे भाते रहें। क्योंकि अवश्य है कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के सामने खुल जाए, कि हर एक व्यक्ति अपने–अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हो पाए।"
- 1 कुरिन्थियों 3:10–12 विस्तार में उन कामों का वर्णन करता हैं जिनके आधार पर न्याय होगा। मसीह वो नींव है जिसके ऊपर हमें अपने जीवन का आधार रखना हैं अपने उन आशीषों के द्वारा जो परमेश्वर ने हमें दी है। हमें हर एक अवसर/मौके का लाभ उठाना चाहिए और अपना समय बुद्धिमानी से व्यतीत करना चाहिए।
- पहले की आयतों में "सोने" का तात्पर्य उन कामों से था जिनका मूल्य अनन्त हैं। ये वो काम हैं जो कलीसिया का निर्माण करते हैं और लोगों को परमेश्वर के राज्य में लाते और परमेश्वर की महिमा बढ़ाते है। ये वो चीजें है जो नए स्वर्ग और नई धरती के साथ भुलाई नहीं जाएंगी।
- "भूसा" उन कामों को दर्शाता है जो दिखाने के लिए परमेश्वर की सेवा के नाम पर तो किये जाते हैं पर वास्तव में वे काम खुद की प्रसिद्धि के लिए किए जाते है। यह काम करने का उद्देश्य दूसरों से सहमति और प्रशंसा पाना होता है।

❖ **स्वर्गीय खजाना :** हमें अपने जीवनों को अस्थायी मानना चाहिए क्योंकि जो कुछ हम अपने जीवनों में जोड़ते हैं वो सब हमारे जीवनो साथ या जब यीशु मसीह के दोबारा धरती पर आने के समय खत्म हो जाएगा। हमारा जीवन क्षण भर का ही है। जैसे कि हम दूरदर्शी होकर पहले से पैसा बचाते हैं और आने

वाले दिनों की योजना बनाते हैं वैसे ही यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने लिए स्वर्ग में खजाना इकट्ठा करें।

- हम अपनी प्रतिभा का प्रयोग कलीसिया की वृद्धि में करके अपने लिए स्वर्ग में खजाना इकट्ठा कर सकते हैं जो कि हमारे परमेश्वर की स्तुति कर सकें। हमें हर दिन परमेश्वर को सम्मान देना चाहिए, ना सिर्फ अपनी सोच और शब्दों से पर अपने कामों से भी। न्याय के दिन उन सभी लोगों को पुरस्कृत किया जायेगा, जिन्होंने अपने लिए स्वर्गीय खजाना इकट्ठा किया है।

# चर्चा

- आप ऐसा क्या कर सकते हैं जो कि आपको आश्वस्त कर दे कि आप परमेश्वर के पुनः आगमन के लिए तैयार हैं?
- आप कैसे सुसमाचार को बांटकर उनकी सहायता कर सकते हैं ताकि वे परमेश्मर के पुनः आगमन की तैयारी कर सकें?
- क्या आप ऐसे लोगों को जानते हैं जो यीशु मसीह के आने के समय के विषय में भविष्यवाणी करते हैं? आप उन्हें पवित्रशास्त्र बाइबल में से क्या जवाब देंगे?
- जब आप यह सोचते हैं कि यीशु मसीह किसी भी क्षण इस धरती पर वापस आ सकते हैं तो कौन सी ऐसी महत्वपूर्ण चीजें हैं जो आपको महत्वहीन लगने लगती हैं? यह बात किस प्रकार से आपके जीवन की प्राथमिकताएं बदल देती है?
- यीशु मसीह के पुनः आगमन के लिए तैयार होना या न होना आपको कैसा प्रतीत होता है? क्या आप तैयार है?
- परमेश्वर के आसन पर किसका न्याय होगा? और वहां क्या–क्या होगा? परमेश्वर के विशाल श्वेत सिंहासन पर किसका न्याय होगा? और उस न्याय का क्या परिणाम होगा?
- आपके जीवन में यह जानकर क्या बदलाव आता है कि जो कर्म आपने अपने जीवन में किए है उनका न्याय होगा? और आप ऐसा क्या करेंगे जिससे आप अपना जीवन मसीह के लिए फलदायी बना सकें?

# प्रार्थना

*प्रार्थना के साथ समाप्त करें। परमेश्वर का धन्यवाद करें कि वो किसी भी क्षण दोबारा आ सकते हैं। प्रार्थना करें कि आपका समूह और आपकी कलीसिया तैयार रहे और सुसमाचार सुनकर अपने जीवन में पश्चाताप करें और उद्धार पाएं। परमेश्वर का उसके सच्चे वायदों और उस शक्ति के लिए भी धन्यवाद करें जो हमें पवित्र आत्मा के द्वारा मिलती हैं ताकि हम उसके पुत्र यीशु मसीह के जैसे बनें।*